ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

शेर- ए - काश्मीर कृषि विज्ञानं एवं प्रौद्योगिकी
विशविद्यालय - जम्मू
क्षत्रिये कृषि अनुसन्धान केंद्र, टण्डवाल, राजौरी - 185 131
(जम्मू और काश्मीर केंद्र शासित प्रदेश)

कृषि मौसम सलाह बुलेटिन - पुंछ

(28 जुलाई से 01 अगस्त, 2021)

(क्षत्रिये कृषि अनुसन्धान केंद्र, राजौरी, स्कुएस्ट जम्मू एवं भारत मौसम विभाग द्वारा संयुक्त रूप से जारी)
इ मेल : amfurarsrajouri@gmail.com; मोबाइल नंबर. : 09596619990

बुलेटिन संख्या: -34/2021-22/ मंगलवार **दिनाक: 27 जुलाई, 2021**
No. AUJ/Raj/Agromet/2021-22 /758

जिला पुंछ के लिए मध्यम श्रेणी का मौसम पूर्वानुमान (28 जुलाई से 01 अगस्त, 2021)

मौसम के कारक	28/07/21	29/07/21	30/07/21	31/07/21	01/08/21
वर्षा (mm)	35	85	70	35	20
अधिकतम तापमान (°C)	26	23	23	24	26
न्यूनतम तापमान (°C)	23	20	20	22	22
अधिकतम आर्द्रता (%)	95	100	100	95	90
न्यूनतम आर्द्रता (%)	85	90	90	85	80
हवा की गति (kmph)	1	1	1	1	1
हवा की दिशा	225	195	155	140	95
बादलों की दशा (octa)	8	8	8	7	7

मौसम पूर्वानुमान का सारांश: अगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में मुख्य रूप में बादल छाए रहने के साथ 28 जुलाई से 01 अगस्त के दौरान मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 23 से 26 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 20 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सुबह के दौरान आर्द्रता 90 से 100 प्रतिशत और शाम को 80 से 90 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। अगामी 5 दिनों के दौरान हवा मुख्य रूप में पूर्वी से दक्षिण पश्चिमी दिशा के बीच 1 किमी/घंटा की औसत गति से चल सकती है ।

कृषि मौसम संबंधी सलाह सेवा

आने वाले पांच दिनों के लिए सा मान्य सलाह: 28 जुलाई से 01अगस्त के दौरान जिले में मध्यम से भारी वर्षा बारिश होने की संभावना है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली (ERFS) के अनुसार जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में 23.07.2021 से 29.07.2021 के दौरान बारिश का स्तर सामान्य से कम और 30.07.2021 से 05.08.2021 के दौरान सामान्य रहने का अनुमान है।

मुख्य फसलें	अवस्था	कीट/रोग व अन्य कार्य	मौसम आधारित कृषि सलाह
धान	टिलरिंग	खरपतवार प्रबंधन	- जहाँ रोपाई के बाद धान की फसल 15 दिन पुरानी हो गयी है, किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि वह बेहतर खरपतवार प्रबंधन के लिए निराई-गुड़ाई करें ।
		कीट प्रबंधन	- किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि वह अपने खेतों में निम्नलिखत कीटों के हमले के लिए सतर्क रहें :

			• स्टेम बोरर देखे जाने के उपरांत, किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि वे क्रेटाप-हाइड्रोक्लोराइड 4 जी @ 22 किलोग्राम/हेक्टेयर की दर से इस्तेमाल करें। • राइस हिस्पा: क्लोरपायरीफॉस @ 2 मिली/लीटर पानी में मिलकर या साइपरमैथ्रिन @ 2 मिली/लीटर पानी में मिलकर छिड़काव करें। • लीफ फोल्डर: किसान भाइयों को धान की फसल में लीफ फोल्डर के हमले के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी जाती है। *** किसान भाइयों को रासायनिक दवाओं का इस्तेमाल साफ/शुष्क मौसम की स्थिति में ही करने की सलाह दी जाती है।**
		अन्य	- बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि वे बारिश के पानी को जितना संभव हो सके इक्कठा करने के लिए धान की फसल के खेतों की मेंढ़ों को ऊँचा व मजबूत करें।
मक्का	**घुटने की ऊंचाई तक**	**निराई-गुड़ाई**	- 28 जुलाई से 01 अगस्त के दौरान बारिश की संभावना को ध्यान में रखते हुए किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि वह उक्त अवधि के दौरान मक्के की फसल में निराई-गुड़ाई की योजना को स्थगित करें।
		खरपतवार प्रबंधन	- बरसात के मौसम के कारण फसल में खरपतवारों का प्रकोप बढ़ सकता है। फसल को उपज हानि से बचाने के लिए किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि वह बुवाई के कम से कम 40 दिनों तक फसल को खरपतवार मुक्त रखने के लिए नियमित अंतराल पर निराई-गुड़ाई करें।
		कीट प्रबंधन	- मक्का की फसल में फॉल आर्मीवर्म और तना छेदक के हमले के लिए किसान भाइयों को सतर्क रहने की सलाह दी जाती है । इन कीटों को देखे जाने पर किसान भाई थिया मेथोक्सम 12.6% + लैम्ब्डा एथलोर्थिन 9.5% ZC @ 50 मिली/एकड़ या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5 एससी @ 80 मिली/एकड़ या स्पिनेट्राम 11.7% एससी @ 100 मिली/एकड़ साफ़ मौसम वाले दिन प्रभावी नियंत्रण के लिए छिड़काव करें। किसान तना छेदक के लिए कार्बोफ्यूरॉन 3जी का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।
		जल निकास	- 28 जुलाई से 01 अगस्त के दौरान मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। मक्का की फसल जल जमाव के लिए अतिसंवेदनशील है, खेतों में उचित जल निकासी प्रदान करें।
		देखभाल	- फसल में कीट और बीमारियों के आक्रमण के लिए किसान भाइयों को नियमित रूप से फसल की निगरानी करने की सलाह दी जाती है । उच्चित लक्षण पाए जाने के उपरांत किसान भाई नजदीकी कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र अथवा क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र से सम्पर्क करें ।
खरीफ मौसम की दालें		**खरपतवार प्रबंधन**	- किसान भाई अगले पांच दिनों के दौरान बारिश की संभावना को ध्यान में रखते हुए खरीफ दलहनी फसलों में खरपतवारनाशकों के प्रयोग को साफ़ मौसम होने तक स्थगित करें ।
सब्जियां (गर्मियों की सब्जियां)			- आने वाले दिनों में तेज हवाओं चल सकती हैं । किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि वे तेज हवाओं से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए टमाटर और ककड़ी के युवा पौधों में यांत्रिक सहायता प्रदान करें ।
		रोग प्रबंधन	- सब्ज़िओं की फसलों में अल्टरनेरिया ब्लाइट और फाइटोपथोरा रोग के पनपने के लिए मौसम अनुकूल है । किसान भाइयों को यदि लक्षण दिखाई देते हैं, तो किसान भाई मैनकोज़ेब या मैनकोज़ेब + मेटालैक्सिल @ 2 ग्राम/लीटर पानी में मिलकर छिड़काव करें। - कुकुरबीट्स की फसलों पर फल मक्खी के हमले की संभावना हो सकती है । फल मक्खी का हमला होने के उपरांत किसान भाई मैलाथियान नमक दवा @ 1.5 मिली/लीटर की दर से फसल में साफ मौसम वाले दिन छिड़काव करें । मास ट्रैपिंग के लिए फेरोमोन ट्रैप @ 15 - 20/हेक्टेयर की दर से लगायें ।

		देखभाल	- किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि वे सब्ज़िओं की फसलों में कीटों और रोगों के प्रकोप की नियमित निगरानी करें ।
बागवानी (नट और सेब की फसल)		**देखभाल** **खरपतवार प्रबंधन** **रोग प्रबंधन**	- किसान भाई फरवरी एवं मार्च के महीनों के दौरान लगाए गए फलों के पौधों का ख़ास ध्यान रखें और उनकी अच्छी वृद्धि व मजबूती के लिए ठीक से स्टैकिंग की प्रक्रिया करें । - तने से निकलने वाले पौधे से सभी स्टॉक स्प्राउट्स को जमीन के स्तर से 30 सेमी की ऊंचाई तक निकालें । - बारिश के मौसम के कारण, फलों के बागों में खरपतवार संक्रमण बढ़ सकता है । किसान भाई नियमित समय पर खरपतवार नियंत्रण करें । - शीतोष्ण फलों में फफूंद जनित रोगों के आक्रमण के लिए मौसम अनुकूल है । किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि वे इसके लिए सतर्कता रखें । बागवानी विभाग या कृषि विज्ञान केंद्र से संपर्क करें।
मशरूम			- किसान भाइयों को जानकारी दी जाती है कि वे कैलोकेबी इंडिका (मिल्की मशरूम) की खेती करने के लिए यह सही समय है ।
मधुमक्खी पालन		**देखभाल / फ़ीड**	- बादल/बारिश के दिनों में किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि वे मधुमक्खी की कालोनियों को न खोलें । -ब्रूड चैम्बर में उचित वेंटिलेशन (हवादार परिस्थितियाँ) प्रदान करें ।
मत्स्यपालन (कार्प)	**सभी के लिए**		- मछली पालकों को सलाह दी जाती है की वे आउटलेट/इनलेट/ओवरफ्लो पर स्क्रीन/नेटिंग क्लॉथ लगाएं ताकि अत्यधिक बारिश के दौरान मछलियां बाहर न निकल सकें। - जिन किसान भाइयों ने अपने तालाबों में मछली पालन कर रखा है, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे तालाबों में उचित जल स्तर बनाए रखें। - जिन किसान भाइयों ने अभी तक मछली के बीज का स्टॉक नहीं किया है, वे विश्वसनीय स्रोतों से उपलब्ध कार्प मछली के बीजों के ताजा स्टॉकिंग के लिए जा सकते हैं। - जिन किसान भाइयों ने पहले ही मछली के बीज का स्टॉक कर लिया है, उन्हें तालाबों में मौजूद कुल अनुमानित मछली बायोमास का 2-3% पूरक आहार देने की सलाह दी जाती है।
डेयरी पशु (भेड़ और बकरियाँ)		**देखभाल / फ़ीड**	- किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि वे वायरल बीमारियों के कारण होने वाले आर्थिक नुकसान से पशुओं को बचने के लिए फुट एंड माउथ रोग के खिलाफ पशुओं में टीकाकरण करें । - पशुशाला में उचित वेंटिलेशन और स्वच्छता बनाकर रखें । - किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि परजीवी भार को कम करने के लिए छोटे जुगाली करने वालों पशुओं के आहार में जामुन, अमरूद आदि के शीर्ष भोजनों को शामिल करें ।
मुर्गी पालन		**देखभाल / फ़ीड**	- नवजात शिशुओं के लिए ब्रूडर हाउस अच्छी तरह हवादार, बारिश से बचाबदार और शिकारियों से सुरक्षित होने चाहिए । - संक्रामक रोगों की घटना को रोकने के लिए पोल्ट्री हाउस के प्रवेश द्वार पर निस्संक्रामक ट्रे रखी जानी चाहिए । - किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि वे प्रतिदिन आय अर्जित करने के लिए बैकयार्ड पोल्ट्री यानी वानरजा, चोबोर की उन्नत नस्लों को रखें ।

नोडल ऑफिसर
(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

डॉक्टर रोहित शर्मा
(तकनिकी अधिकारी)